शिक्षा के विकास व शिक्षकों के महत्व पर मंथन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

कांफ्रेंस में शामिल होने वाले विशेषज्ञ।

यूटीयू से सम्बद्ध सिद्धार्था लॉ कलेज दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेस संपन्न हो गई। भारतीय संवैधानिक विधिः समकालीन मुद्दे और चुनौतियां विषय पर आयोजित कांफ्रेस में शोधार्थियों ने 70 शोध पत्र प्रस्तुत किये। इस मौके पर शिक्षा के विकास व शिक्षकों के महत्व पर भी मंथन किया गया।

कांफ्रेस के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कुमांऊ विवि के ला डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष प्रो.एसके शर्मा ने भारतीय दर्शन के महत्वपूर्ण तत्व 'वसुधैव कुटुंबकम' पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। इसके साथ ही सामाजिक लोकतंत्र की आवश्यकता, पंथ निरपेक्षता, न्यायिक स्वतंत्रता व विश्व में भारत की विधि व्यवस्था के महत्ता आदि पर चर्चा की।

विशिष्ट अतिथि डा.भीमराव अंबेडकर विवि लखनऊ के विधि के विभागाध्यक्ष डा.संजीव कुमार चड्ढा ने विद्यार्थियों को शार्टकट से बचने की सलाह दी। सिद्धार्था लॉ कालेज के डायरेक्टर जस्टिस केडी शाही ने शोध गतिविधियों पर चर्चा की। इससे पूर्व उदघाटन समारोह में डा.राम मनोरह लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी लखनऊ के प्रो.एसके भटनागर ने संविधान को जीवंत दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि संविधान के लागू होने के समय से ही संशोधनों की आवश्यकता महसूस होने लगी थी। यूटीटू के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने तकनीकी शिक्षा को विधि शिक्षा एवं विधि व्यवसाय से जोड़ने पर घोर दिया। दो दिवसीय कांफ्रेस में प्रो.बलराज चौहान, सेनि.आईएएस अधिकारी संजीव चोपड़ा, असिस्टेंट प्रोफेसर डा.मुनीश स्वरूप, डा.पारुल दीक्षित, विवेक कुमार, डा.जेएन सिंह, अभिषेक राज ने विचार व्यक्त किये।

कार्यालय नगर निगम, ऋषिकेश

पत्रांक : 105/निविदा-निर्माण/2023-24 दिनांक : 17.04.2023

संशोधित निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि संशोधित निविदा सूचना जो कि इस कार्यालय के पत्र संख्या 87/निविदा-निर्माण/2023/24 दिनॉक 15.04.2023 के द्वारा जारी की गयी थी को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है एवं सूचित किया जाता है कि पूर्व में इस कार्यालय द्वारा अपने पत्र संख्या 78/निविदा-निर्माण/2023/24 दिनॉक 13.04.2023 द्वारा जारी निविदा सूचना यथावत रहेगी। कृपया सूचनार्थ।

दिनेश प्रसाद उनियाल
अधिशासी अभियन्ता, नगर निगम ऋषिकेश